

jyotina

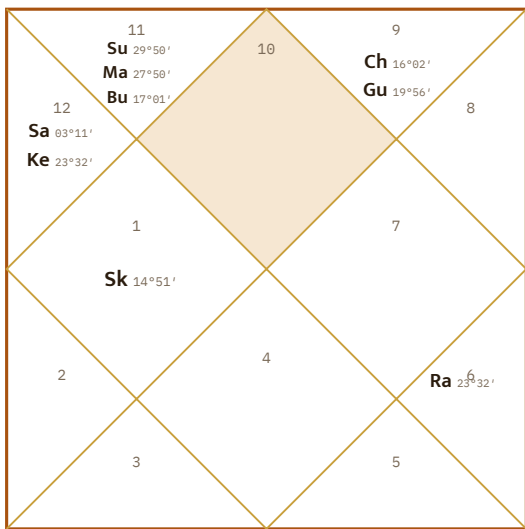
PURE CALCULATION. ZERO DAR.

सशुल्क रिपोर्ट · बनी 14 अक्टूबर 2026

शादी रिपोर्ट

रिया · 14 मार्च 1996 · 04:12 · जयपुर, भारत

साथी · अर्जुन · 26 जनवरी 1990 · 07:45 · दिल्ली, भारत



लग्न: मकर 11°59'2

चंद्र राशि: धनु · पूर्वाषाढ़ा पद 1

दशा: चंद्र – शुक्र · 2027 तक

योग: गजकेसरी, बुधादित्य, राज योग (केंद्र-त्रिकोण), धन योग (2-11), विपरीत राज योग

विषय-सूची

- 01 निचोड़ पहले — जवाब का कार्ड
- 02 सप्तम भाव — विवाह का घर
- 03 नवांश · D-9
- 04 नवांश की गवाही
- 05 विवाह के ग्रह — ताकत का हिसाब
- 06 दोष की स्थिति
- 07 मंगल दोष और बाकी दोष — सच क्या है
- 08 मिलान — दोनों कुंडलियों का
- 09 दोनों की जोड़ी — मिलान पढ़ने के बाद
- 10 विवाह का समय — अनुकूल दौर
- 11 36 महीने — कौनसा दौर कब
- 12 गोचर · राशि बदलने की तारीखें
- 13 निचोड़
- 14 5 सवाल जो सब पूछते हैं — आपके लिए जवाब

परिशिष्ट · ग्रह स्थिति · निरयण · अष्टकवर्ग · भावों की ताकत · विशोत्तरी दशा · समय-रेखा

हर स्थिति ज्योतिना इंजन से गिनी गई है (लाहिड़ी अयनांश, सत्य राहु, पूर्ण-राशि भाव), उसके बाद एक भी शब्द लिखा गया। एआई आँकड़े पढ़ता है और उनका हवाला देता है; गिनती कभी नहीं करता।
भाषा: हिन्दी.

01 निचोड़ पहले — जवाब का कार्ड

पहले निष्कर्ष; इसके बाद का हर पन्ना उसका प्रमाण है

- ◆ मकर लग्न में सप्तम भाव कर्क है और उसके स्वामी चंद्र का गुरु के साथ धनु के बारहवें भाव में होना विवाह का स्पष्ट योग देता है, पर रिश्ता दूरी, अलग शहर या निजी जीवन-शैली से जुड़ सकता है।
- ◆ मेष के चौथे भाव में दिग्बली शुक्र तथा धनु के बारहवें भाव में स्वराशि गुरु बताते हैं कि साथी भावनात्मक, शिक्षित, उदार और घर बसाने वाला होगा, किंतु उसे निजी स्थान भी चाहिए होगा।
- ◆ मंगल कुंभ के दूसरे भाव से केवल विस्तृत परंपरा में मांगलिक दोष बनाता है, जबकि चंद्र से मंगल तीसरे भाव में है; कालसर्प और जन्मकालीन साढ़ेसाती नहीं हैं, इसलिए भय का आधार नहीं है।
- ◆ विवाह को तय या औपचारिक करने का सर्वोत्तम समय 18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027 है; इसके बाद 24 अप्रैल 2027 – 19 जुलाई 2027 और 28 अक्टूबर 2026 – 18 जनवरी 2027 उपयोगी विकल्प हैं।

सबसे अच्छे दौर

18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027

विवाह तय करने और औपचारिक सहमति का सर्वोत्तम समय

18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027 में चंद्र-शुक्र-शनि चलता है और फरवरी 2027 – जून 2027 में गुरु लग्न से सप्तम भाव कर्क में रहता है।

24 अप्रैल 2027 – 19 जुलाई 2027

बात पक्की करने, कागज़ी काम और आयोजन का समय

24 अप्रैल 2027 – 19 जुलाई 2027 में चंद्र-शुक्र-बुध रहता है और फरवरी 2027 – जून 2027 का सप्तम भाव में गुरु इस अवधि के बड़े हिस्से को सहारा देता है।

28 अक्टूबर 2026 – 18 जनवरी 2027

रिश्ता आगे बढ़ाने और परिवारों को जोड़ने का समय

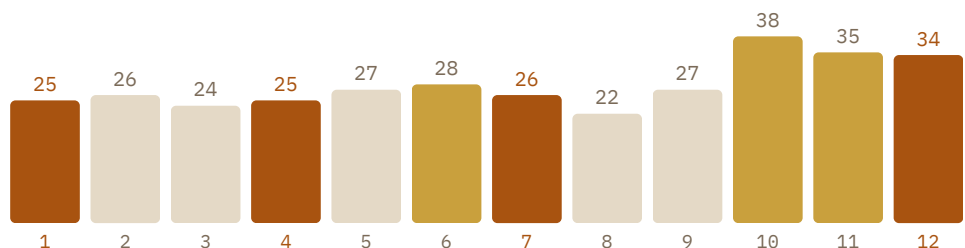
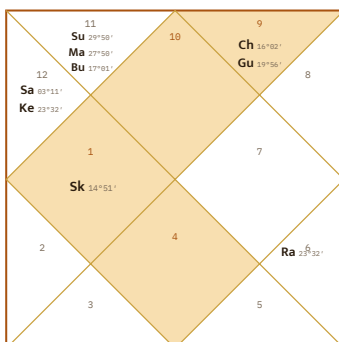
28 अक्टूबर 2026 – 18 जनवरी 2027 में चंद्र-शुक्र-गुरु चलता है; गुरु जन्मकुंडली में धनु के बारहवें भाव में स्वराशि और विवाह-कारक है।

एक सावधानी

कुंभ के दूसरे भाव में दग्ध मंगल और मिलान में भकूट के 0/7 अंक बताते हैं कि परिवार, धन और बोलचाल पर जल्द प्रतिक्रिया देने के बजाय स्पष्ट नियम बनाना सबसे जरूरी है।

भरोसा मध्यम · जन्मसमय ज्ञात है और डी1 तथा डी9 दोनों विवाह का योग दिखाते हैं, लेकिन डी9 में शुक्र के साथ राहु तथा दिसंबर 2026 – मई 2028 में सप्तम भाव से केतु गुजरने के कारण सही अवधि में भी भावनात्मक दूरी संभालनी होगी।

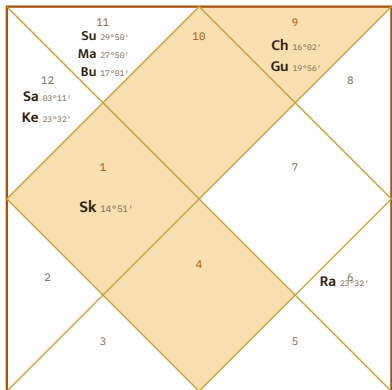
एक नज़र में



भाव-वार सर्वाष्टकवर्ग बिंदु · 28 और ऊपर मज़बूत, 25 से नीचे कमज़ोर · रंगी पट्टियाँ इस रिपोर्ट के भाव हैं

02 सप्तम भाव — विवाह का घर

भाव 7 · 12 · 4 · 1

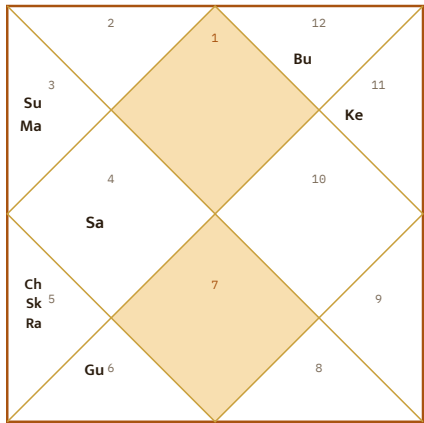


स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
सप्तम भाव कर्क · स्वामी चंद्र धनु · भाव 12	जीवनसाथी संवेदनशील और संरक्षण देने वाला हो सकता है, पर विवाह में दूरी, जगह बदलना या निजी स्थान का विषय प्रमुख रहेगा।	प्रबल
चंद्र 16°02' धनु · भाव 12 · गुरु के साथ	सप्तमेश पर शुभ गुरु-संगति साथी में शिक्षा, उदारता और नैतिक सोच बढ़ाती है।	प्रबल
गुरु 19°56' धनु · भाव 12 · स्वराशि	स्त्री-कुंडली का विवाह-कारक स्वराशि में होने से योग्य साथी और विवाह टिकाने की भीतर की क्षमता मिलती है।	प्रबल
शुक्र 14°51' मेष · भाव 4 · दिग्बल · अंक 3	सुख, आकर्षण और साझा घर बनाने की इच्छा मजबूत रहती है।	प्रबल
सप्तम भाव · सर्वाष्टकवर्ग 26 बिंदु	विवाह का समर्थन मध्यम है, इसलिए अच्छे योग के साथ व्यावहारिक समझौते भी जरूरी रहेंगे।	मध्यम

आपकी कुंडली में सप्तम भाव, यानी शादी और साझेदारी का घर, कर्क है। इसका स्वामी चंद्र धनु के बारहवें भाव में स्वराशि गुरु के साथ बैठा है। यह विवाह को नकारता नहीं, बल्कि ऐसे संबंध का संकेत देता है जिसमें अलग शहर, दूरी, यात्रा, निजी जीवन या साथी की अलग पृष्ठभूमि महत्वपूर्ण हो सकती है। साथी संवेदनशील, देखभाल करने वाला, शिक्षित और उदार स्वभाव का हो सकता है।

मेष के चौथे भाव में शुक्र दिग्बली है। दिग्बल का अर्थ है दिशा से मिलने वाली विशेष ताकत। इससे घर बसाने, सुख-सुविधा बनाने और साथ रहने की इच्छा मजबूत रहती है। गुरु स्वराशि में होने से विवाह निभाने की समझ और योग्य साथी का योग बढ़ता है। सप्तम भाव के 26 सर्वाष्टकवर्ग बिंदु मध्यम समर्थन देते हैं, इसलिए रिश्ता अच्छा होने पर भी धन, दूरी, निजी जगह और परिवार से जुड़े समझौते पहले साफ रखने होंगे।

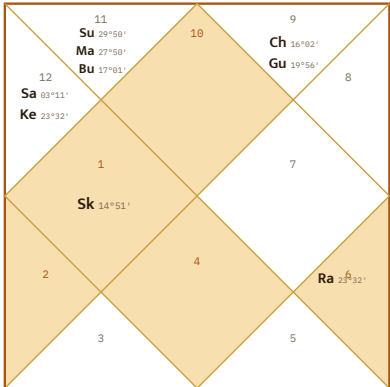
03 नवांश · D-9



ग्रह	D9 राशि	भाव
लग्न	मेष	1
सूर्य	मिथुन	3
चंद्र	सिंह	5
मंगल	मिथुन	3
बुध	मीन	12
गुरु	कन्या	6
शुक्र	सिंह	5
शनि	कर्क	4
राहु	सिंह	5
केतु	कुम्भ	11

04 नवांश की गवाही

भाव 1 · 7 · 5 · 4 · 9



स्थिति	यहाँ क्या करती है	वजन
डी9 लग्न मेष · सप्तम भाव तुला	विवाह सक्रिय लेकिन संतुलन-आधारित होगा, जिसमें दोनों को निर्णय और समझौते बराबरी से करने होंगे।	प्रबल
डी9 सप्तमेश शुक्र सिंह · भाव 5	विवाह प्रेम, आकर्षण, साझा आनंद और रचनात्मक अभिव्यक्ति से परिपक्व होता है।	प्रबल
डी9 शुक्र · चंद्र · राहु सिंह · भाव 5	चुंबकीय आकर्षण मजबूत है, पर प्रशंसा, नाटकीय प्रतिक्रिया और अपेक्षाओं में संतुलन रखना होगा।	मध्यम
डी9 शनि कर्क · भाव 4 · तुला सप्तम भाव पर दशम दृष्टि	विवाह जिम्मेदारी मांगता है और भावनात्मक सुरक्षा धीरे-धीरे बनती है।	मध्यम
डी1 शुक्र मेष · भाव 4 से डी9 शुक्र सिंह · भाव 5	जन्मकुंडली का गृह-सुख और नवांश का प्रेम-तत्व मिलकर विवाह को निभाने की क्षमता देते हैं।	मध्यम

नवांश, यानी विवाह के बाद के फल को दिखाने वाला विभाग, मेष लग्न और तुला सप्तम भाव रखता है। इससे विवाह में पहल, स्पष्टता और बराबरी की जरूरत रहती है। दोनों को फैसले लेने और समझौते करने में समान भागीदारी रखनी होगी। नवांश का सप्तमेश शुक्र सिंह के पांचवें भाव में है, इसलिए प्रेम, आकर्षण, साझा आनंद और रचनात्मक साथ विवाह को धीरे-धीरे मजबूत करते हैं।

सिंह के पांचवें भाव में शुक्र के साथ चंद्र और राहु हैं। इससे आकर्षण चुंबकीय हो सकता है और संबंध सामान्य रास्ते से अलग परिस्थिति में शुरू हो सकता है। साथ ही प्रशंसा की जरूरत, भावनात्मक तीव्रता और कभी-कभी बड़ी अपेक्षाएं भी रहेंगी। कर्क के चौथे भाव में शनि तुला के सप्तम भाव पर दशम दृष्टि डालता है। इससे विवाह में जिम्मेदारी बढ़ती है और भावनात्मक सुरक्षा समय के साथ बनती है। जन्मकुंडली का गृह-सुख और नवांश का प्रेम-तत्व मिलकर संबंध निभाने की क्षमता देते हैं।

05 विवाह के ग्रह — ताकत का हिसाब

ग्रह	राशि · भाव	अंश	स्थिति	ताकत
शुक्र	मेष · भाव 4	14°51' 27.4"	सामान्य · दिग्बल	
गुरु	धनु · भाव 12	19°56' 26.7"	स्वराशि	
मंगल	कुम्भ · भाव 2	27°50' 11.9"	सामान्य · अस्त	
चंद्र	धनु · भाव 12	16°02' 11.6"	सामान्य	
शनि	मीन · भाव 3	3°11' 22.5"	सामान्य · अस्त	

पट्टी = बल + दिग्बल – अस्त, 0 से 4 · लिखा हुआ विवरण इससे ज़्यादा मायने रखता है

06 दोष की स्थिति

मंगल दोष: है · मंगल लग्न से भाव 2 में (दोष भाव), चंद्र से भाव 3 में
काल सर्प: नहीं बनता
जन्म के समय साढ़े साती: नहीं थी

08 मिलान — दोनों कुंडलियों का

24 / 36 गुण

चलने योग्य मिलान

18 के शास्त्रीय उत्तीर्ण अंक से ऊपर, पर कुछ अंक ध्यान से पढ़ने लायक हैं।

दुल्हन · कन्या

चंद्र राशि: धनु
नक्षत्र: पूर्वाषाढ़ा पद 1
मंगल दोष: है
भाव 2 लग्न से

दूल्हा · वर

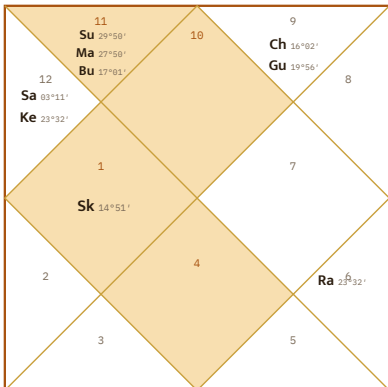
चंद्र राशि: मकर
नक्षत्र: उत्तराषाढ़ा पद 3
मंगल दोष: नहीं है
भंग — मंगल in धनु में 12th, बृहस्पति 5/7/9 दृष्टि दृष्टि मंगल (दृष्टि)

कूट	अंक	क्या तौलता है
वर्ण	0 / 1	स्वभाव का स्तर — दोनों प्रकृतियाँ कैसे मेल खाती हैं।
वश्य	2 / 2	आपसी खिंचाव — कौन किसे चलाता है, और कितनी सहजता से।
तारा	3 / 3	जन्म-नक्षत्र की दूरी — साथ का रोज़ का सुख।
योनि	2 / 4	सहज और शारीरिक मेल।
ग्रह मैत्री	3 / 5	दोनों चंद्र राशियों के स्वामियों की मित्रता।
गण	6 / 6	मूल स्वभाव — देव, मनुष्य, राक्षस।
भकूट	0 / 7	राशियों की दूरी — घर का धन और परिवार का प्रवाह।
नाड़ी	8 / 8	प्रकृति — वंश का स्वास्थ्य, सबसे भारी कूट।

- भकूट 0 — शास्त्रीय भकूट दोष। निर्णय से पहले इसे ग्रह मैत्री के साथ पढ़ा जाता है।
- मंगल दोष एक कुंडली में है और दूसरी में नहीं — शास्त्रीय रूप से यही असमानता चर्चा की बात है।

09 दोनों की जोड़ी — मिलान पढ़ने के बाद

भाव 1 · 7 · 2 · 4



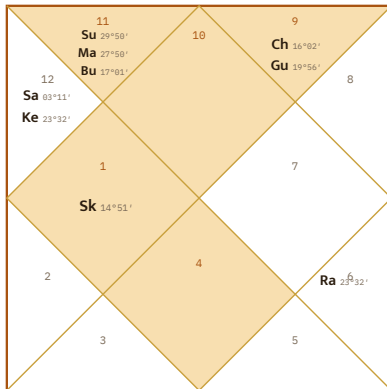
स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
अष्टकूट 24/36 · गण 6/6 · नाड़ी 8/8 · तारा 3/3 · वश्य 2/2	मूल स्वभाव, स्वास्थ्य-संरचना, दैनिक तालमेल और पारस्परिक आकर्षण इस रिश्ते के मजबूत हिस्से हैं।	प्रबल
भकूट 0/7 · ग्रह मैत्री 3/5	धनु-मकर चंद्र राशियों का भकूट घरेलू धन और भावनात्मक प्रवाह पर मेहनत मांगता है; ग्रह मैत्री मध्यम राहत देती है, पूरा दोष-निवारण नहीं।	प्रबल
कन्या मांगलिक भाव 2 · वर गैर-मांगलिक	मंगल दोष की असमानता मौजूद है, इसलिए बोलचाल, परिवार और धन के व्यवहार को विवाह से पहले स्पष्ट करना चाहिए।	मध्यम
दोनों मकर लग्न · दोनों का सप्तम भाव कर्क	दोनों सुरक्षा, परिवार और भावनात्मक विश्वसनीयता चाहते हैं, इसलिए मूल वैवाहिक दिशा समान है।	प्रबल
साथी केतु 22°44' कर्क · भाव 7 · साथी चंद्र 03°26' मकर · भाव 1 · अस्त	साथी कभी-कभी भावनाएं भीतर रख सकता है या संबंध से मानसिक दूरी ले सकता है, इसलिए मौन को अस्वीकृति न समझें।	मध्यम

आप दोनों का अष्टकूट मिलान 24/36 है। गण 6/6, नाड़ी 8/8, तारा 3/3 और वश्य 2/2 मजबूत हैं। इससे मूल स्वभाव, स्वास्थ्य-संरचना, रोजमर्रा का तालमेल और आपसी आकर्षण के अच्छे आधार मिलते हैं। यह अंक विवाह को चलने योग्य और विवाह-योग्य दिखाता है, लेकिन इसे बिना बातचीत के सहज मानना ठीक नहीं होगा।

भकूट 0/7 है और ग्रह मैत्री 3/5 है। भकूट का अर्थ है चंद्र राशियों के बीच का घरेलू और भावनात्मक प्रवाह। यहां धन, परिवार, रहने की व्यवस्था और भावनाओं की भाषा पर मेहनत लगेगी। एकतरफा मंगल दोष भी बोलचाल और साझा धन पर सावधानी मांगता है। दोनों का मकर लग्न और कर्क सप्तम भाव सुरक्षा, परिवार और भरोसे की समान जरूरत दिखाता है। साथी के कर्क सप्तम भाव में केतु होने से वह कभी-कभी भावनाएं भीतर रख सकता है या मानसिक दूरी ले सकता है। मौन को तुरंत अस्वीकृति न समझें।

10 विवाह का समय — अनुकूल दौर

भाव 7 · 12 · 4 · 1 · 2



स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
चंद्र-महादशा 2018 – 2028 · सप्तमेश चंद्र	सप्तमेश की महादशा विवाह को जीवन के सक्रिय विषयों में रखती है।	प्रबल
चंद्र-शुक्र दिसंबर 2025 – अगस्त 2027	सप्तमेश और विवाह-कारक शुक्र की संयुक्त अवधि संबंध, घर और विवाह-निर्णय को सक्रिय करती है।	प्रबल
गुरु कर्क · भाव 7 · फ़रवरी 2027 – जून 2027	सप्तम भाव में गुरु का गोचर रिश्ता तय करने, सहमति और विवाह-संस्कार को सबसे स्पष्ट समर्थन देता है।	प्रबल
चंद्र-शुक्र-शनि · 18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027	शनि लग्न और दूसरे भाव का स्वामी होकर परिवार तथा औपचारिक प्रतिबद्धता को आकार देता है।	प्रबल
केतु कर्क · भाव 7 · दिसंबर 2026 – मई 2028	इसी समय अस्पष्टता या भावनात्मक दूरी संभव है, इसलिए निर्णय लिखित और स्पष्ट सहमति से करें।	मध्यम

दशा, यानी ग्रहों की चलती हुई समय-अवधि, में चंद्र महादशा 2018 – 2028 चल रही है। चंद्र सप्तमेश है, इसलिए विवाह जीवन का सक्रिय विषय बना रहता है। चंद्र-शुक्र की अवधि दिसंबर 2025 – अगस्त 2027 तक है। शुक्र विवाह-कारक होने के साथ घर, आकर्षण और संबंध को सक्रिय करता है।

सबसे मजबूत समय 18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027 है। इस दौरान चंद्र-शुक्र-शनि चलता है। शनि लग्न और दूसरे भाव का स्वामी होकर परिवार, जिम्मेदारी और औपचारिक सहमति को आकार देता है। फ़रवरी 2027 – जून 2027 में गुरु कर्क के सप्तम भाव में गोचर करता है, इसलिए इस अवधि का समर्थन विशेष रूप से स्पष्ट है। 24 अप्रैल 2027 – 19 जुलाई 2027 दूसरा प्रमुख विकल्प है। 28 अक्टूबर 2026 – 18 जनवरी 2027 रिश्ता आगे बढ़ाने और परिवारों को जोड़ने के लिए सहायक है। दिसंबर 2026 – मई 2028 में सप्तम भाव का केतु अस्पष्टता दे सकता है, इसलिए सहमति साफ और लिखित रखें।

11 36 महीने — कौनसा दौर कब

अक्टूबर 2026 चंद्र-शुक्र-राहु जल्दबाजी और भ्रम संभालें	नवंबर 2026 चंद्र-शुक्र-गुरु रिश्ता परिवार तक बढ़े	दिसंबर 2026 चंद्र-शुक्र-गुरु रिश्ता परिवार तक बढ़े	जनवरी 2027 चंद्र-शुक्र-गुरु रिश्ता परिवार तक बढ़े	फ़रवरी 2027 चंद्र-शुक्र-शनि प्रतिबद्धता और औपचारिक सहमति	मार्च 2027 चंद्र-शुक्र-शनि प्रतिबद्धता और औपचारिक सहमति
अप्रैल 2027 चंद्र-शुक्र-शनि प्रतिबद्धता और औपचारिक सहमति	मई 2027 चंद्र-शुक्र-बुध बातचीत और आयोजन आगे	जून 2027 चंद्र-शुक्र-बुध बातचीत और आयोजन आगे	जुलाई 2027 चंद्र-शुक्र-बुध बातचीत और आयोजन आगे	अगस्त 2027 चंद्र-शुक्र-केतु दूरी और संशय संभव	सितंबर 2027 चंद्र-सूर्य-चंद्र भावनात्मक स्थिति स्पष्ट करें
अक्टूबर 2027 चंद्र-सूर्य-राहु अनिश्चित अपेक्षाएं सामने आएँ	नवंबर 2027 चंद्र-सूर्य-गुरु समझ और समर्थन बढ़े	दिसंबर 2027 चंद्र-सूर्य-शनि व्यावहारिक शर्तें तय हों	जनवरी 2028 चंद्र-सूर्य-केतु अस्पष्टता में विराम रखें	फ़रवरी 2028 चंद्र-सूर्य-शुक्र आकर्षण और सहमति लौटे	मार्च 2028 मंगल-मंगल-राहु परिवार और धन संवेदनशील

अप्रैल 2028 मंगल-मंगल-शनि जिम्मेदार निर्णय की जरूरत	मई 2028 मंगल-मंगल-बुध बातचीत से रास्ता निकले	जून 2028 मंगल-मंगल-शुक्र संबंध में निकटता बढ़े	जुलाई 2028 मंगल-मंगल-चंद्र भावनात्मक निर्णय सामने आएँ	अगस्त 2028 मंगल-राहु-राहु असामान्य परिस्थितियाँ धैर्य मांगें	सितंबर 2028 मंगल-राहु-राहु असामान्य परिस्थितियाँ धैर्य मांगें
अक्टूबर 2028 मंगल-राहु-गुरु मार्गदर्शन और सहमति मिले	नवंबर 2028 मंगल-राहु-शनि रिश्ते की परीक्षा गंभीर	दिसंबर 2028 मंगल-राहु-शनि रिश्ते की परीक्षा गंभीर	जनवरी 2029 मंगल-राहु-बुध संवाद से दिशा बदले	फ़रवरी 2029 मंगल-राहु-बुध संवाद से दिशा बदले	मार्च 2029 मंगल-राहु-केतु निर्णय रोककर समीक्षा करें
अप्रैल 2029 मंगल-राहु-शुक्र प्रेम और समझौता मजबूत	मई 2029 मंगल-राहु-शुक्र प्रेम और समझौता मजबूत	जून 2029 मंगल-राहु-सूर्य/चंद्र औपचारिक घोषणा संभव	जुलाई 2029 मंगल-राहु-चंद्र भावनात्मक निकटता पर ध्यान	अगस्त 2029 मंगल-गुरु-गुरु स्थिर निर्णय का अवसर	सितंबर 2029 मंगल-गुरु-गुरु स्थिर निर्णय का अवसर

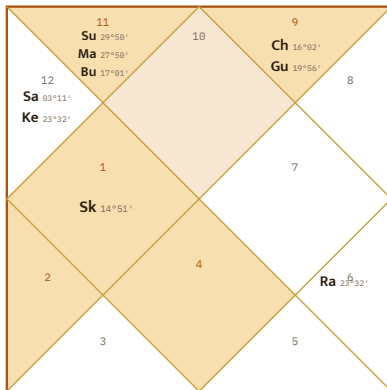
■ बढ़त
 ■ दबाव
 ■ स्थिर
 ■ बदलाव
 · खाना = महादशा · अंतर्दशा · प्रत्यंतर

12 गोचर · राशि बदलने की तारीखें

ग्रह	राशि	लग्न से	चंद्र से	अवधि
शनि	मीन	भाव 3	भाव 4	अक्टूबर 2026 – जून 2027
शनि	मेष	भाव 4	भाव 5	जुलाई 2027 – अक्टूबर 2027
शनि	मीन	भाव 3	भाव 4	नवंबर 2027 – फ़रवरी 2028
शनि	मेष	भाव 4	भाव 5	मार्च 2028 – अगस्त 2029
शनि	वृषभ	भाव 5	भाव 6	सितंबर 2029 – अक्टूबर 2029
गुरु	कर्क	भाव 7	भाव 8	अक्टूबर 2026 – अक्टूबर 2026
गुरु	सिंह	भाव 8	भाव 9	नवंबर 2026 – जनवरी 2027
गुरु	कर्क	भाव 7	भाव 8	फ़रवरी 2027 – जून 2027
गुरु	सिंह	भाव 8	भाव 9	जुलाई 2027 – नवंबर 2027
गुरु	कन्या	भाव 9	भाव 10	दिसंबर 2027 – फ़रवरी 2028
गुरु	सिंह	भाव 8	भाव 9	मार्च 2028 – जुलाई 2028
गुरु	कन्या	भाव 9	भाव 10	अगस्त 2028 – दिसंबर 2028
गुरु	तुला	भाव 10	भाव 11	जनवरी 2029 – मार्च 2029
गुरु	कन्या	भाव 9	भाव 10	अप्रैल 2029 – अगस्त 2029
गुरु	तुला	भाव 10	भाव 11	सितंबर 2029 – अक्टूबर 2029
राहु	कुम्भ	भाव 2	भाव 3	अक्टूबर 2026 – नवंबर 2026
राहु	मकर	भाव 1	भाव 2	दिसंबर 2026 – मई 2028
राहु	धनु	भाव 12	भाव 1	जून 2028 – अक्टूबर 2029
केतु	सिंह	भाव 8	भाव 9	अक्टूबर 2026 – नवंबर 2026
केतु	कर्क	भाव 7	भाव 8	दिसंबर 2026 – मई 2028
केतु	मिथुन	भाव 6	भाव 7	जून 2028 – अक्टूबर 2029

13 निचोड़

भाव 7 · 12 · 4 · 5 · 2



स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
सप्तमेश चंद्र · गुरु के साथ धनु · भाव 12	विवाह का वादा मौजूद है और साथी शिक्षित, उदार तथा दूरस्थ पृष्ठभूमि वाला हो सकता है।	प्रबल
शुक्र मेष · भाव 4 · दिग्बल · अंक 3	घर, स्नेह और साथ रहने की इच्छा विवाह को टिकाने का आधार बनती है।	प्रबल
डी9 सप्तमेश शुक्र सिंह · भाव 5	विवाह प्रेम, आकर्षण और साझा आनंद से विकसित होता है।	प्रबल
भकूट 0/7 · मंगल दोष केवल कन्या पक्ष में	संबंध संभव है, लेकिन घरेलू अपेक्षाओं और प्रतिक्रिया की शैली पर पहले सहमति जरूरी है।	मध्यम

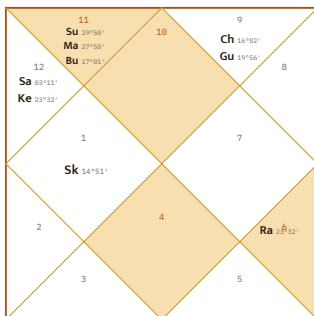
आपकी कुंडली में विवाह का योग स्पष्ट है। कर्क सप्तम भाव का स्वामी चंद्र धनु के बारहवें भाव में स्वराशि गुरु के साथ है। इससे साथी शिक्षित, उदार, संवेदनशील और अलग शहर या अलग पृष्ठभूमि से जुड़ा हो सकता है। उसे निकटता के साथ निजी जगह की भी जरूरत रहेगी। मेष के चौथे भाव में दिग्बली शुक्र घर बसाने, स्नेह और साझा सुख का मजबूत आधार देता है। नवांश में सप्तमेश शुक्र सिंह के पांचवें भाव में है, इसलिए प्रेम, आकर्षण और साझा आनंद विवाह को पोषण देंगे।

विवाह तय करने का सर्वोत्तम समय 18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027 है। इसके बाद 24 अप्रैल 2027 – 19 जुलाई 2027 दूसरा विकल्प है और 28 अक्टूबर 2026 – 18 जनवरी 2027 रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए अच्छा है। मुख्य सावधानी भकूट 0/7 और दग्ध मंगल हैं। परिवार, धन, रहने की व्यवस्था और बोलचाल के नियम पहले स्पष्ट रखें।

14 पाँच सवाल जो सब पूछते हैं

इस विषय पर लोग जो पूछते हैं, हर एक का जवाब आपकी कुंडली से

1. मेरी शादी कब होगी?

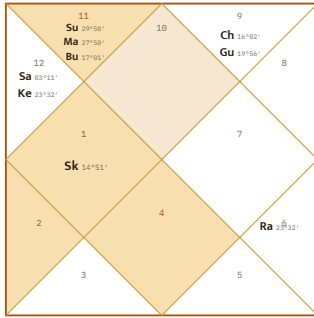


स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
चंद्र-शुक्र-शनि · 18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027	सप्तमेश, शुक्र और परिवार-संबंधी शनि विवाह को औपचारिक रूप दे सकते हैं।	प्रबल
गुरु कर्क · भाव 7 · फ़रवरी 2027 – जून 2027	सप्तम भाव में गुरु विवाह-सहमति का सबसे स्पष्ट गोचर समर्थन देता है।	प्रबल
चंद्र-शुक्र-बुध · 24 अप्रैल 2027 – 19 जुलाई 2027	बातचीत, कागज़ी काम और आयोजन आगे बढ़ाने की दूसरी अवधि है।	मध्यम

आपकी शादी का सबसे मजबूत समय 18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027 है। इस अवधि में चंद्र-शुक्र-शनि चलता है और फ़रवरी 2027 – जून 2027 में गुरु सप्तम भाव में रहकर विवाह-सहमति को मजबूत करता है। यह समय रिश्ता तय करने, परिवारों की सहमति लेने और औपचारिक कदम उठाने के लिए सबसे प्रभावी है।

यदि इस अवधि में बात पूरी न हो, तो 24 अप्रैल 2027 – 19 जुलाई 2027 अगला प्रमुख समय है। इसमें बातचीत, कागज़ी काम और आयोजन आगे बढ़ सकते हैं। 28 अक्टूबर 2026 – 18 जनवरी 2027 रिश्ता आगे बढ़ाने और परिवारों को जोड़ने के लिए सहायक है, पर अंतिम निर्णय में जल्दबाजी न करें।

2. प्रेम विवाह या तय किया हुआ — कुंडली किस तरफ झुकती है?

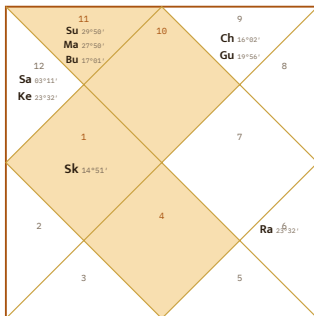


स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
डी9 सप्तमेश शुक्र सिंह · भाव 5	पांचवें भाव में सप्तमेश प्रेम, आकर्षण या पहले से बने भावनात्मक संबंध की ओर झुकाव देता है।	प्रबल
डी9 शुक्र · चंद्र · राहु सिंह · भाव 5	रिश्ता असामान्य परिस्थिति या तीव्र आकर्षण से शुरू हो सकता है।	मध्यम
सूर्य · मंगल · बुध कुंभ · भाव 2 और शुक्र मेष · भाव 4	परिवार, सामाजिक स्वीकृति और घर बसाने का निर्णय अंतिम परिणाम में महत्वपूर्ण रहेगा।	मध्यम

कुंडली प्रेम-सह-परिवार अनुमोदित विवाह की ओर अधिक झुकती है। नवांश का सप्तमेश शुक्र सिंह के पांचवें भाव में है, इसलिए प्रेम, आकर्षण या पहले से बने भावनात्मक संबंध की भूमिका रहेगी। शुक्र के साथ चंद्र और राहु होने से संबंध तीव्र आकर्षण या सामान्य से अलग परिस्थिति में शुरू हो सकता है।

फिर भी अंतिम रूप परिवार और घर की सहमति से लेना अधिक सफल रहेगा। कुंभ के दूसरे भाव में सूर्य, मंगल और बुध परिवार, बोलचाल और सामाजिक स्वीकृति को महत्वपूर्ण बनाते हैं। मेष के चौथे भाव का शुक्र घर बसाने की इच्छा देता है। इसलिए यह न पूरी तरह केवल प्रेम-विवाह है, न केवल पारंपरिक तय विवाह; प्रेम के बाद परिवार की स्वीकृति वाला रास्ता अधिक मजबूत है।

3. हम दोनों साथ में कैसे हैं — कहाँ मेल है, कहाँ मेहनत लगेगी?

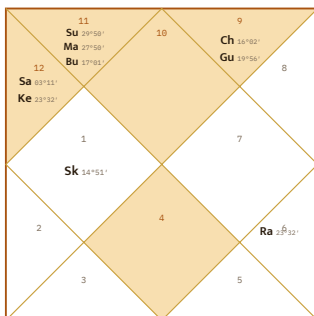


स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
अष्टकूट 24/36 · गण 6/6 · नाड़ी 8/8	मूल प्रकृति और दीर्घकालीन साथ के प्रमुख आधार अच्छे हैं।	प्रबल
भकूट 0/7 · ग्रह मैत्री 3/5	घर, धन और भावनात्मक भाषा में समझौता तथा स्पष्ट योजना जरूरी है।	प्रबल
साथी केतु कर्क · भाव 7	साथी कभी संबंध से मानसिक दूरी ले सकता है, इसलिए संवाद बंद नहीं होना चाहिए।	मध्यम

आप दोनों के बीच 24/36 का मिलान है। गण 6/6, नाड़ी 8/8 और तारा 3/3 मूल स्वभाव, स्वास्थ्य-संरचना और लंबे साथ के अच्छे आधार दिखाते हैं। वश्य 2/2 आपसी आकर्षण और रोजमर्रा के तालमेल को सहारा देता है। इसलिए रिश्ता चलने योग्य और विवाह-योग्य है।

मेहनत भकूट 0/7, ग्रह मैत्री 3/5 और साथी के कर्क सप्तम भाव में केतु के कारण लगेगी। धन, परिवार, रहने की व्यवस्था और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर स्पष्ट समझ जरूरी है। साथी कभी-कभी भीतर सिमट सकता है या मानसिक दूरी ले सकता है। इसे तुरंत अस्वीकृति न मानें। नियमित बातचीत और पहले से तय नियम इस रिश्ते को मजबूत रखेंगे।

4. दोनों कुंडलियों में मंगल दोष और बाकी दोष — क्या लागू है, और क्या काटता है?

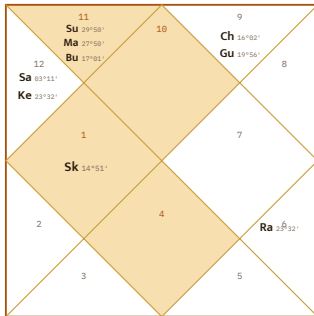


स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
कन्या मंगल दोष · लग्न से भाव 2 · चंद्र से भाव 3	दोष सीमित रूप से परिवार, वाणी और संयुक्त धन पर सावधानी मांगता है।	मध्यम
वर मंगल धनु · भाव 12 · गुरु दृष्टि से दोष-निवारण	साथी की कुंडली में गणना के अनुसार मंगल दोष लागू नहीं रहता।	मध्यम
कालसर्प लागू नहीं · जन्मकालीन साढ़ेसाती सक्रिय नहीं	इन दोनों नामों से विवाह का भय बनाने का आधार नहीं है।	हल्का

आपकी कुंडली में विस्तृत परंपरा के अनुसार मंगल दोष लग्न से दूसरे भाव में मंगल के कारण है। चंद्र से मंगल तीसरे भाव में होने से चंद्र-आधारित मांगलिक दोष नहीं बनता। इसका व्यावहारिक असर परिवार, बोलचाल और साझा धन पर तेज प्रतिक्रिया के रूप में दिख सकता है, लेकिन इसे विवाह रोकने वाला दोष नहीं मानना चाहिए।

साथी की कुंडली में मंगल दोष गणना के अनुसार रद्द माना गया है। कालसर्प दोष और जन्मकालीन साढ़ेसाती भी नहीं हैं। इसलिए इन दोषों के नाम से डर बनाने का आधार नहीं है। दोनों पक्षों में मंगल दोष की असमानता पर विवाह से पहले साफ बातचीत करें, विशेषकर धन, परिवार की भूमिका और रहने की व्यवस्था पर।

5. क्या यह रिश्ता हमारे लिए सही है, और शादी कब करें?



स्थिति	यहाँ क्या करती है	वज़न
अष्टकूट 24/36 · गण 6/6 · नाड़ी 8/8	रिश्ते में पर्याप्त आधार और दीर्घकालीन संभावना मौजूद है।	प्रबल
भकूट 0/7 · एकतरफा मंगल दोष	धन, परिवार, रहने की व्यवस्था और बोलचाल पर विवाह से पहले स्पष्ट सहमति जरूरी है।	प्रबल
चंद्र-शुक्र-शनि · 18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027	यह औपचारिक प्रतिबद्धता और विवाह के लिए उपलब्ध सबसे मजबूत संयुक्त अवधि है।	प्रबल

यह रिश्ता 24/36, गण 6/6 और नाड़ी 8/8 के आधार पर चलने योग्य और विवाह-योग्य है। दोनों में साथ निभाने, रोजमर्रा का तालमेल रखने और आकर्षण का आधार मौजूद है। इसलिए रिश्ता सही दिशा में जा सकता है, लेकिन इसे बिना बातचीत के सहज मानना ठीक नहीं होगा।

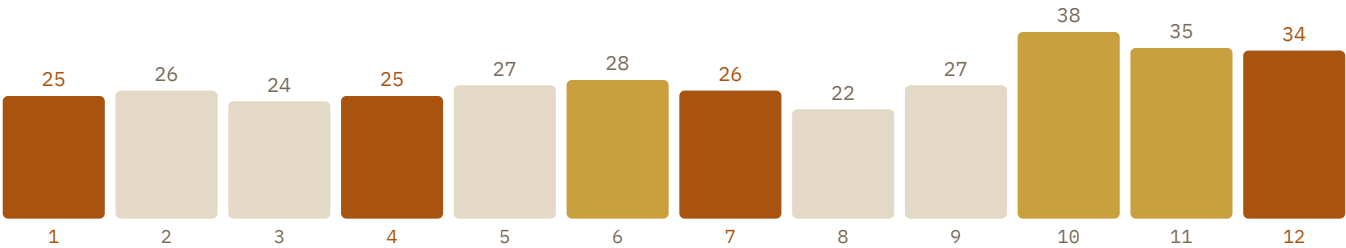
भकूट 0/7 और एकतरफा मंगल दोष के कारण धन, परिवार, रहने की व्यवस्था और बोलचाल पर पहले सहमति जरूरी है। विवाह या अंतिम औपचारिक निर्णय के लिए 18 जनवरी 2027 – 24 अप्रैल 2027 सबसे मजबूत समय है। यदि तब निर्णय पूरा न हो, तो 24 अप्रैल 2027 – 19 जुलाई 2027 दूसरा विकल्प है। स्पष्ट नियम और नियमित संवाद इस मिलान की कमजोर जगहों को संभालेंगे।

परिशिष्ट · आँकड़े

15 ग्रह स्थिति · निरयण

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	भाव	बल	गति
सूर्य	कुम्भ	29°50 '	पूर्व भाद्रपद पद 3	2	सामान्य	D
चंद्र	धनु	16°02 '	पूर्वाषाढ़ा पद 1	12	सामान्य	D
मंगल	कुम्भ	27°50 '	पूर्व भाद्रपद पद 3	2	सामान्य · अस्त	D
बुध	कुम्भ	17°01 '	शतभिषा पद 4	2	सामान्य · अस्त	D
गुरु	धनु	19°56 '	पूर्वाषाढ़ा पद 2	12	स्वराशि	D
शुक्र	मेष	14°51 '	भरणी पद 1	4	सामान्य	D
शनि	मीन	03°11 '	पूर्व भाद्रपद पद 4	3	सामान्य · अस्त	D
राहु	कन्या	23°32 '	चित्रा पद 1	9	—	Rt
केतु	मीन	23°32 '	रेवती पद 3	3	—	Rt

16 अष्टकवर्ग · भावों की ताकत



भाव-वार सर्वाष्टकवर्ग बिंदु · 28 और ऊपर मज़बूत, 25 से नीचे कमज़ोर · रंगी पट्टियाँ इस रिपोर्ट के भाव हैं

17 विंशोत्तरी दशा · समय-रेखा

महादशा	वर्ष	
शुक्र	1992 - 2012	जन्म पर शेष · 15 वर्ष 11 माह
सूर्य	2012 - 2018	6 वर्ष
चंद्र	2018 - 2028	10 वर्ष · अंतर्दशा शुक्र 2027 तक
मंगल	2028 - 2035	7 वर्ष
राहु	2035 - 2053	18 वर्ष
गुरु	2053 - 2069	16 वर्ष
शनि	2069 - 2088	19 वर्ष
बुध	2088 - 2105	17 वर्ष
केतु	2105 - 2112	7 वर्ष

ayanamsa lahiri · true node · whole sign · engine v0.1.0 · analysis gpt-5.6-sol · prose gpt-5.6-luna · हर हवाला गिनी हुई कुंडली से जाँचा गया